



Yogesh



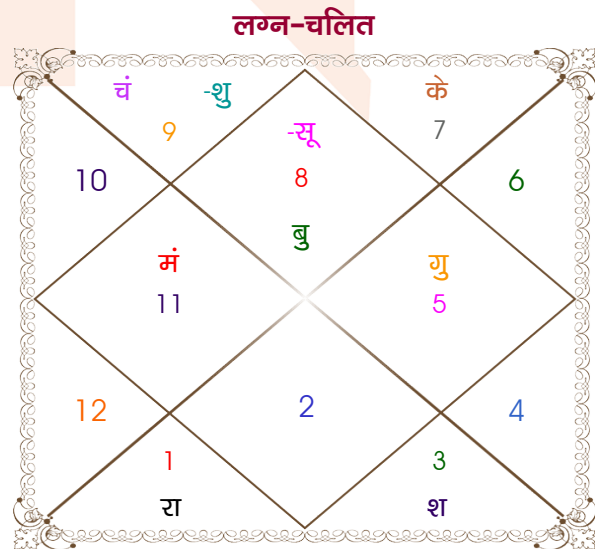
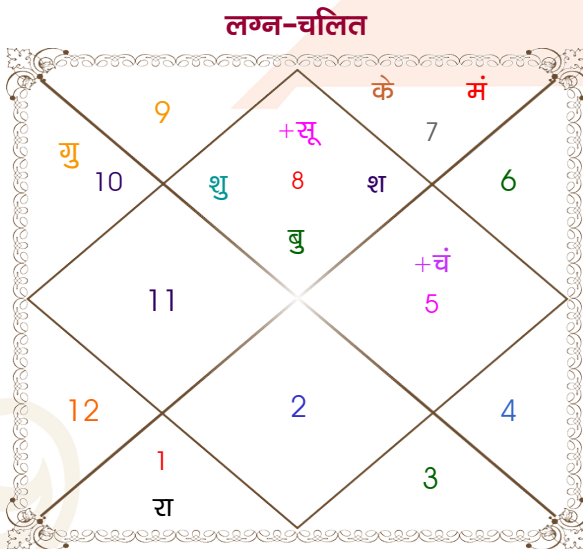
Priyanka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119877302

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 5-06/12/1985 : _____ जन्म तिथि _____ 27/11/2003
 गुरु-शुक्रवार : _____ दिन _____ गुरुवार _____
 घंटे 05:45:00 : _____ जन्म समय _____ 08:00:00 घंटे
 घटी 57:02:53 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 02:53:35 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Nasik : _____ स्थान _____ Mumbai
 20:00:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 18:58:00 उत्तर
 73:52:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 72:50:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:34:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:38:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:55:50 : _____ सूर्योदय _____ 06:52:55
 17:54:40 : _____ सूर्यास्त _____ 17:59:26
 23:39:27 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:54:28

विंशोत्तरी सूर्य 5वर्ष 4मा 4दि राहु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 3वर्ष 2मा 7दि मंगल	
10/04/2008		03:33:22	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	24:39:23	03/02/2023	
11/04/2026		20:09:25	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	10:30:31	03/02/2030	
राहु	22/12/2010	28:07:19	सिंह	चंद्र	धनु	24:32:29	मंगल	02/07/2023
गुरु	17/05/2013	00:54:33	तुला	मंगल	कुंभ	25:20:29	राहु	20/07/2024
शनि	23/03/2016	05:39:29	वृश्चि व	बुध	वृश्चि	28:05:59	गुरु	26/06/2025
बुध	10/10/2018	19:31:23	मक	गुरु	सिंह	22:48:07	शनि	05/08/2026
केतु	29/10/2019	09:26:47	वृश्चि	शुक्र	धनु	06:09:49	बुध	02/08/2027
शुक्र	29/10/2022	08:35:17	वृश्चि	शनि व	मिथु	18:24:12	केतु	29/12/2027
सूर्य	22/09/2023	14:59:17	मेष	राहु व	मेष	26:30:35	शुक्र	27/02/2029
चन्द्र	23/03/2025	14:59:17	तुला	केतु व	तुला	26:30:35	सूर्य	05/07/2029
मंगल	11/04/2026	24:16:36	वृश्चि	हर्ष	कुंभ	05:08:04	चन्द्र	03/02/2030
		08:57:21	धनु	नेप	मक	16:50:12		
		12:30:39	तुला	प्लूटो	वृश्चि	25:16:44		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ल्वहमी का वर्ग श्वान है तथा चतपलंदां का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ल्वहमी और चतपलंदां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ल्वहमी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ल्वहमी कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

चतपलंदां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु चतपलंदां कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जाता है।

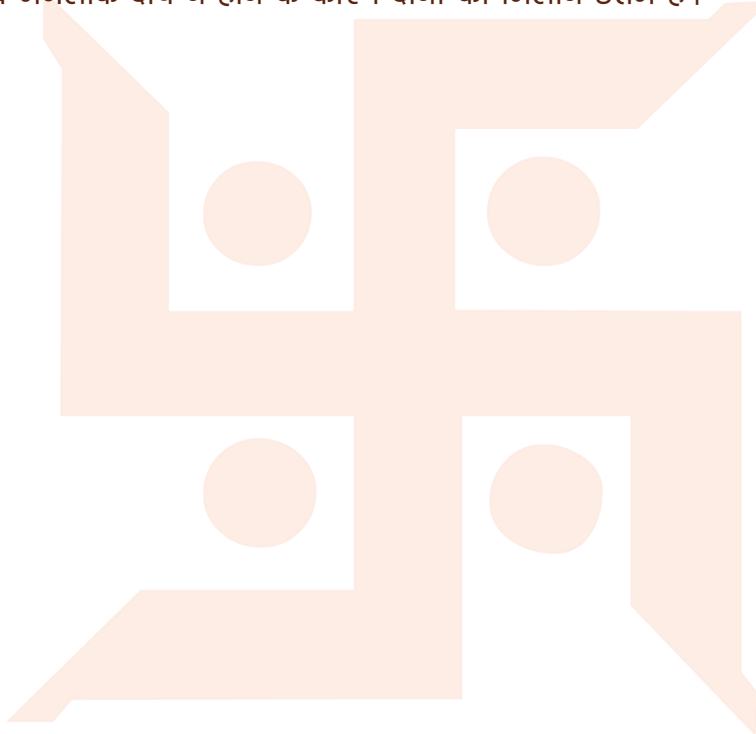
**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु लव्हमी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।
लव्हमी तथा चतुपलंदां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

